S.S. Jain Subodh
Mahila Shikshak Prashikshan Mahavidyalaya
Sanganer, Jaipur
Affiliated to University of Rajasthan • Approved by NCTE & Govt. of Rajasthan
Accredited B Grade CGPA of 2.45 by NAAC-UGC • Recognition Under UGC 2(f)
Minority Institute PNOC by State Govt. & University of Rajasthan

Session– 2018–2019

Student Satisfaction Survey Form

विद्यार्थी सन्तुष्टि सर्वेक्षण प्रारूप

Name of the Student :- ....

Name of Father :- ....

Name of course :-....................

S.No.	Statement/कथन	YES/हाँ	No/नही
1	At the time of admission complete information from the orientation programme to the evaluation process is given to the pupil-teachers by the college for their bright future to facilitate proficiency in the teaching learning process. प्रवेश प्रकिया के समय ही महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम से लेकर मूल्यांकन प्रकिया तक सम्पूर्ण जानकारी दे दी जाती है ताकि छात्राध्यापिकाएं शिक्षण अधिगम प्रकिया में दक्ष हो सके।		
2	There is a complete arrangement of lectures in the college according to NCTE norms and approval by University of Rajasthan. महाविद्यालय में एनसीटीई नियमानुसार व राजस्थान विश्वविद्यालय से अनुमोदित व्याख्याताओं की पूर्ण व्यवस्था है।		
3	The Faculty of the college is skilled and capable in proper communication and teaching-learning work. महाविद्यालय का शैक्षणिक स्टाफ सम्प्रेषण कौशल एवं शिक्षण अधिगम प्रकिया में सक्षम है।		
4	According to the subject, quality based laboratory and resource facilities are made available for the pupil-teachers. महाविद्यालय द्वारा विषयानुसार प्रायोगिक सुविधाऐं व स्त्रोत कक्ष की उच्च कोटि की व्यवस्था है।		
5	Seminars, Workshops etc. are organized by the college from time to time for the efficient accomplishment of teaching by the pupil-teachers. महाविद्यालय द्वारा छात्राध्यापिकाओं को शिक्षण कार्य के कुशल संपादन हेतु समय समय पर सेमिनार कार्यशाला आदि का आयोजन किया जाता है।		
6	The teaching-learning environment of the college is fully equipped with research and innovation. महाविद्यालय का शिक्षण–अधिगम वातावरण पूर्णतः अनुसंधानात्मक व नवाचारों से युक्त है।		
7	In the college, teaching-learning process is conducted according to all the stages of teaching i.e. objectives-process-evaluation. महाविद्यालय में शिक्षण–अधिगम प्रकिया शिक्षण की तीनो अवस्थाओं उद्धेश्य–प्रकिया–मूल्यांकन के अनुसार प्रभावी तरीके से संपादित की जाती है।		

Scanned with CamScanner